परीक्षाओं और साक्षात्कारों का आयोजन और परिणामों की घोषणा करते रहते हैं ;

(ख) क्या रेल विभाग केवल इसके द्वारा निर्धारित तारीखों पर ही परीक्षाएं और साक्षात्कार आयोजित करता है परन्तु परीक्षा परिणाम घोषित करने की तारीखें निर्धारित नहीं करता है जिससे इस काम में कई महीनों का बिलम्ब हो जाता है और युवा वर्ग में असंतोष फैलता है ;

(ग) क्या रेल विभाग का भर्ती की इस प्रणाली को बदलने का विचार है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी हां, रेल सेवा आयोग पर्यवेक्षकों, सहायक स्टेशन मास्टरों, लिपिक वर्गीय कर्मचारियों आदि के लिए वर्ग 'ग' के पदों के लिए परीक्षाएं तथा साक्षात्कार आयोजित करते हैं ।

(ख) रेलवे विभाग वर्ग 'ग' के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाएं तथा साक्षात्कार आयोजित नहीं करता है, लेकिन एक ग्रेड से दूसरे ग्रेड में पदोन्नति के वास्ते प्रवरण पदों के लिए ऐसा करता है । लिखित परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तिथियां बता दी जाती हैं, लेकिन साक्षात्कारों की तिथियां तथा परिणामों की घोषणा उन अनुपस्थित उम्मीदवारों, जा पूरक परीक्षा देते हैं, पर निर्भर करती है । अतः साक्षात्कारों तथा परिणाम घोषित करने की तिथियां निर्धारित करना संभव नहीं है । फिर भी आमतौर पर साक्षात्कारों के पूरा होते ही शीघ्र परिणाम घोषित कर दिये जाते हैं ।

(ग) और (घ) जैसा कि उल्लेख किया जा चुका है रेल सेवा आयोगों के माध्यम से से प्रारम्भिक भर्ती करना जारी रहेगा और ऊंचे ग्रेडों के लिए पदोन्नति और प्रवरण रेलवे विभागों द्वारा किया जाएगा ।

Institutions run by Vidya Bhavan Society, Udaipur

*181. SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL:

SHRI BHIKU RAM JAIN:

Will the Minister of EDUCATION AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have appointed a committee to examine the financial position of th educational and vocational institutions run by the Vidya Bhavan Society, Udaipur; and

(b) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRI P. K. THUNGON): (a) and (b) Government have set up a committee to go into the financial position of Vidya Bhavan Society, Udaipur, with the following terms of reference:—

(i) To ascertain reasons for continuing budgetary deficit of the institution against the background of the funds being made available to it by the Central and State Governments, and funds raised by the institution through its own efforts.

(ii) To examine the steps taken by the Vidya Bhavan Society to adjust the level of expenditure within the resources at its command.

(iii) To recommend further steps, if any, to be taken by the Society for economy and more effective utilisation of resources available.

(iv) To evaluate the past working of the institution and to examine the nature of innovative and pioneering work in which the institution is engaged to justify financial